सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 40 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 12 मार्च, 2025
मूल्य ₹ 3/-

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरू के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
-श्री गुरूनानक देव

फाइनल में सीधे पहुंचने से चूकी... 7 | फिर होगा बसपा-सपा का... 3 | जेएनयू, अलीगढ़ और जामिया... 2

भाजपा नेताओं के विवादित बयान से पूरे देश में कोहराम

मुस्लिमों पर तीखे बोलों से विपक्ष के निशाने पर आई बीजेपी

» बंगाल में सुवेंदु , महाराष्ट्र में नीतेश व यूपी में केतकी के बिगड़े बोल से माहौल गरमाया

» कांग्रेस, टीएमसी और शिवसेना यूबिटी ने एनडीए सरकार पर किए प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, यूपी, पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों के खिलाफ विवादित बयान से पूरे देश में कोहराम मच गया है। बता दें बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और इसे लेकर वहां की सियासत अभी से गरमाने लगी है। बंगाल में विपक्ष के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के मुस्लिमों पर एक विवादित बयान देने से पूरे राज्य में बवाल मच गया है।

टीमएसी समेत सभी दलों ने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा वह देश में नफरत फैला रही है जो संविधान के खिलाफ है। दरअसल भाजपा नेता हाल ही में उन्होंने एक बार फिर मुसलमानों को लेकर तीखा बयान दिया है। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद मुस्लिम विधायकों को शारीरिक रूप से विधानसभा से बाहर फेंक देंगे। अधिकारी के इस बयान के बाद टीएमसी ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है और इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। वहीं महाराष्ट्र में नितेश राणे व सीएम फडणवीस के बयान पर भी विपक्ष ने कड़ी आपत्ति की है।

टीएमसी मुस्लिम लीग का दूसरा रूप : सुवेंदु

पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुवेंदु अधिकारी को 17 फरवरी को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था और वो अब पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित हो चुके हैं। उन्होंने राज्य की ममता सरकार पर हमला करते हुए कहा था कि यह सरकार सांप्रदायिक प्रशासन चला रही है औरउन्होंने इसे मुस्लिम लीग का दूसरा रूप भी करार दिया था। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता इस बार इस सरकार को उखाड़ फेकेंगी।

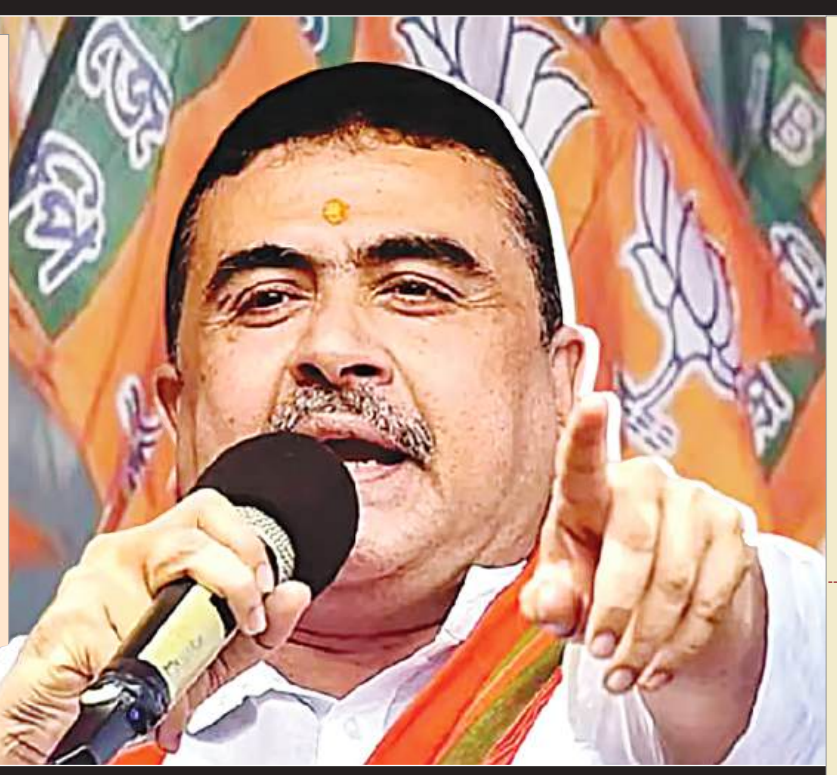

सुवेंदु अधिकारी की दिमागी हालत ठीक नहीं : कुणाल घोष

सुवेंदु अधिकारी के विवादित बयान के बाद ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उनके भाषण को नफरती बताया है। इतना ही नहीं, टीएमसी ने सुवेंदु अधिकारी की दिमागी हालत पर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, किसी भी निर्वाचित प्रतिनिधि को अपने साथी विधायकों के खिलाफ इस तरह की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। संसद में बहस और तर्क-वितर्क हो सकते हैं, लेकिन धर्म का मुद्दा उठाकर किसी विशेष समुदाय के विधायकों को निशाना बनाना संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है।

सुवेंदु पहले भी दे चुके हैं इस तरह के बयान

यह पहली बार नहीं है कि सुवेंदु अधिकारी ने इस तरह का बयान दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के कमजोर प्रदर्शन के बाद भी उन्होंने ऐसा बयान दिया था, जिससे उनकी पार्टी में असहजता फैल गई थी। उन्होंने पार्टी के सबका साथ, सबका विकास नारे को खारिज करते हुए कहा था कि जो हमारे साथ, हम उनके साथ हैं। बंगाल में 13 लाख से अधिक फर्जी मतदाता, भाजपा ने वोटर लिस्ट ऑडिट कराने की मांग की

इस तरह से तो देश जल जाएगा : संजय राउत

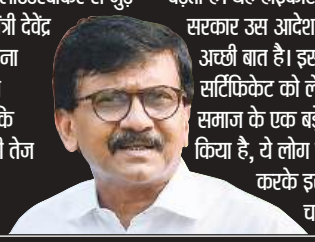

महाराष्ट्र में धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर से जुड़े नियमों के उल्लंघन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर से निकलने वाली तेज आवाज के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यह हाईकोर्ट का आदेश है. इसलिए अगर सरकार उस आदेश का पालन करती है, तो यह अच्छी बात है। इसके अलावा मल्हार सर्टिफिकेट को लेकर उन्होंने कहा कि इस समाज के एक बड़े नेता ने इसका विरोध किया है, ये लोग हिंदू-मुसलमान का विभाजन करके इस देश का विभाजन करना चाहते है एक उत्तर प्रदेश की इनकी विधायक है, जो कहती है कि मुसलमानों का अलग इलाज हो। उन्होंने कहा कि एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं कि तीन तलाक हटने से मुस्लिम महिलाओं को राहत होती और दूसरी तरफ इनकी पार्टी के लोग इस तरह से बयानबाजी कर रहे हैं। ये लोग देश में दंगे भड़काना चाहते हैं और देश को फिर से तोड़ना चाहते हैं. ये लोग तो भाग जाएंगे पर देश जल जाएगा।

मुसलमानों को उनके अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर किया जा रहा : मौलाना मदनी

जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य संगठनो द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ आहूत विरोध प्रदर्शन को समर्थन देते हुए दावा किया कि मुसलमानो को उनके अधिकारो को पुनः प्राप्त करने के लिए सड़को पर उतरने के लिए मजबूर किया जा रहा है। जमीयत प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि 12 फरवरी, 2025 को संगठन की कार्यसमिति की बैठक मे यह निर्णय लिया गया था कि यदि विधेयक पारित होता है, तो जमीयत उलेमा-ए-हिंद की सभी राज्य इकाइयां अपने-अपने राज्य के उच्च न्यायालयो मे इस कानून को चुनौती देगी। इसके अलावा, जमीयत इस विश्वास के साथ उच्चतम न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाएगी कि न्याय मिलेगा, क्योंकि अदालत हमारे लिए अंतिम सहारा है।

मस्जिद मामले में होली से पहले मुस्लिम पक्ष की बड़ी जीत, हाईकोर्ट ने मंजूर की मांग

उत्तर प्रदेश के संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद में मुस्लिम पक्ष को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रंगाई पुताई की मस्जिद कमेटी की मांग को मंजूर किया है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (एएसआई) रंगाई पुताई का काम कराएगा। एएससाई को एक हफ्ते में व्हाइट वॉश का काम पूरा करना होगा। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने यह आदेश दिया है, सिर्फ बाहरी परिसर में व्हाइट वॉश होगा. मस्जिद कमेटी ने बाहरी परिसर में ही रंगाई पुताई की इजाजत मांगी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहले ही साफ सफाई की मांग को मंजूर कर लिया था। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया मस्जिद परिसर में साफ सफाई का काम पूरा भी करा चुका है, अब हाईकोर्ट के फैसले से मुस्लिम पक्ष को बड़ी राहत मिली है। संभल शाही जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष जफर अली ने हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए इसे अपनी बड़ी जीत बताया है और हाईकोर्ट का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट में मस्जिद पक्ष की जीत हुई है। मस्जिद कमेटी ने एएसआई के जवाब पर भी आपत्ति की थी. जब हाईकोर्ट ने एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर सिर्फ जामा मस्जिद की साफ सफाई का आदेश दिया था. संभल की शाही जामा मस्जिद में रंगाई पुताई, मरम्मत और लाइटिंग के काम की इजाजत दिए जाने की मांग को लेकर मस्जिद कमेटी ने याचिक दाखिल की थी। इस दौरान हिंदू पक्ष की तरफ से भी यह कहा गया है कि मरम्मत और पुताई होने से ढांचे को नुकसान हो सकता है।

जेएनयू, अलीगढ़ और जामिया यूनिवर्सिटी को बदनाम कर रही एनडीए सरकार : इमरान

» कांग्रेस सांसद ने रास में उठाया मुद्दा, भाजपा सांसद की भाषा पर जताई आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने सरकार पर शिक्षण संस्थानों पर हमला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने राज्यसभा में देश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों जवाहर लाल नेहरू, अलीगढ़ यूनिवर्सिटी और जामिया यूनिवर्सिटी के मुद्दे को उठाया और कहा कि सरकार इन संस्थानों को बदनाम करने का जो तरीका इस्तेमाल कर रही है वो बेहद शर्मनाक है।

कांग्रेस सांसद ने जेएनयू में नारेबाजी और मारपीट की घटना का जिक्र करते हुए सदन में कहा कि जेएनयू में कुछ नकाबपोश लोग आते हैं, नारे लगाते हैं और इतने सालों बाद भी पुलिस उनका पता नहीं लगा पाती है. इतने प्रतिष्ठित संस्थान को बदनाम करने के लिए जो तरीका सरकार इस्तेमाल कर रही है वो बेहद शर्मनाक है। एक नकाबपोश महिला भी जिसने लाठी डंडे चलाए थे वो आज तक उसकी पहचान नहीं की जा सकी। दिल्ली पुलिस उसे ढूंढ नहीं पाई हैं।

योगी सरकार पर भी किया हमला

उन्होंने आगे कहा- जामिया की लाइब्रेरी में जिस तरह लाठियां बरसाई गई थी उस दर्द को छात्र अभी तक नहीं भूले हैं। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को लेकर वहां के सांसद जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं वो बेहद शर्मनाक है। माननीय मंत्री और वहां की सरकार से मैं पूछना चाहता हूं और ये कहना चाहता हूं कि आप बदलाव के नाम पर जो नई चीज लाने की कोशिश कर रहे हैं ,महोदय आप नदियों को साफ मत करिए, उन्हें बस गंदा नहीं होने दीजिए नदियां अपने आप साफ हो जाएंगी।

नई शिक्षा पॉलिसी से होगा शिक्षा का निजीकरण

इमरान प्रतापगढ़ी ने नई शिक्षा पॉलिसी को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि जिस तरह से गरीब तबके को हाशिए पर धकेला जा रहा है वो बेहद शर्मनाक है। शिक्षा को निजीकरण की तरफ ले जाया जा रहा है वो गलत है। माननीय मंत्री जी इस पर सोचे और इस पर सुधार करने की कोशिश करें। बता दें कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी हाल ही में होली पर्व के सेलिब्रेशन को लेकर सुर्खियों में आ गई थी, जिसके बाद बीजेपी के सांसद सतीश गौतम ने विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा कि जो होली का विरोध करेगा उसे ऊपर पहुंचा दिया जाएगा।

सपा नेता अबू आजमी को राहत, नहीं जब्त होगी बेनामी संपत्ति

» निर्णायक प्राधिकारी ने खारिज किया आयकर विभाग का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र के सपा अध्यक्ष एवं विधायक अबू आजमी की वाराणसी स्थित बेनामी संपत्तियों को आयकर विभाग द्वारा जब्त करने के आदेश को नई दिल्ली के निर्णायक प्राधिकारी ने खारिज कर दिया है। इन संपत्तियों को आयकर विभाग ने करीब दो वर्ष पहले वाराणसी के विनायक ग्रुप के ठिकानों पर छापों में मिले पुख्ता सुबूतों के बाद जब्त किया था।

निर्णायक प्राधिकारी के आदेश से हतप्रभ आयकर विभाग के अधिकारी अब अपीलीय न्यायाधिकरण में चुनौती देने की तैयारी में हैं। वहीं अबू आजमी के साझीदारों से जुड़ी फाइलों को भी दोबारा खंगाला जाएगा, ताकि बाकी बेनामी संपत्तियों पर भी कार्रवाई की जा सके। बता दें कि आयकर विभाग ने 15 नवंबर 2022 को वाराणसी के विनायक निर्माण ग्रुप के वाराणसी, मुंबई, इंदौर, दिल्ली और कानपुर के ठिकानों पर छापा मारा था। छापे में मिले दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि विनायक ग्रुप में अबू आजमी ने करीब 300 करोड़ रुपये की काली कमाई को खपाया है। हालांकि अबू आजमी विनायक ग्रुप से कोई कारोबारी संबंध नहीं होने का दावा करते रहे। जांच में उनकी संलिप्तता के ठोस प्रमाण मिलने पर आयकर विभाग ने विनायक ग्रुप के संचालकों और अबू आजमी की तमाम संपत्तियों को बेनामी संपत्ति एक्ट के तहत जब्त कर लिया था, जिनमें विनायक ग्रुप द्वारा बनाए गए वरुणा गार्डन प्रोजेक्ट में अबू आजमी के बेनामी 40 फ्लैट भी शामिल थे।

सांसद राकेश राठौर की जमानत मंजूर

सीतापुर । हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की एकल पीठ ने मंगलवार को सांसद राकेश राठौर की नियमित जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत मंजूर कर ली। न्यायाधीश राजेश सिंह चौहान की एकल खंडपीठ ने जमानत दी है। बता दें कि सांसद राकेश राठौर दुष्कर्म के आरोप में जिला कारागार में बंद हैं। उनकी जमानत याचिका पर पिछली सुनवाई 27 फरवरी को हुई थी। कोर्ट ने विवेचक को केस डायरी के साथ विवेचना पूरी कर प्रकरण प्रस्तुत करने को कहा था। गौरतलब है कि 17 जनवरी को सांसद पर दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। सांसद की अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद 30 जनवरी को उन्हें जेल भेज दिया गया था।

शिक्षकों की कमी से जूझ रहा मध्य प्रदेश : जयवर्धन सिंह

» कांग्रेस विधायक का सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने प्रदेश के स्कूलों में 70000 शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। इस पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि विधायक अभिभाषण से हटकर वक्तव्य दे रहे हैं। सत्ता पक्ष के दूसरे सदस्य भी सारंग का समर्थन करने लगे। इससे शोर शराबे की स्थिति बन गई। जवाब में कांग्रेस विधायक भी शोर-शराबा करने लगे।

बाद में विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि जो आंकड़े उन्होंने पेश किए हैं, वह स्कूल शिक्षा विभाग के आंकड़े हैं। वे गलत जानकारी नहीं दे रहे हैं। उनके वक्तव्य के दौरान डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने भी टोका। इसके बाद कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि यह उम्मीद जताई जा रही थी कि राज्यपाल के अभिभाषण में कुछ नया देखने को मिलेगा। लेकिन, ऐसा कुछ नहीं हुआ। पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में जो योजनाएं चल रही थीं, उनको भी आगे बढ़ाने में सरकार पीछे रही है।

मोदी की तारीफ से मैं कंफ्यूज हूं : सज्जाद

» बोले-अच्छी तारीफ व खराब तारीफ को लेकर मची होड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के विधायक व पूर्व मंत्री सज्जाद गनी लोन ने कहा है कि वह विधानसभा में सरकार व विपक्ष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफें करने से दुविधा में हैं। विधानसभा में बजट पर बहस में हिस्सा लेते हुए सज्जाद गनी लोन ने सदन में सत्ता पक्ष व मुख्य विपक्षी दल भाजपा के विधायकों की ओर इशारा करते हुए कहा है कि ये भी मोदी की तारीफ कर रहे हैं।

वे भी मोदी की तारीफ कर रहे हैं। अब अच्छी तारीफ कौन सी है व खराब तारीफ कौन सी है, यह लोगों को पता ही नहीं है। ऐसे में हम बड़ी दुविधा में हैं। सज्जाद गनी लोन ने सदन में उमर सरकार को निशाना बनाते हुए कहा कि उनके बजट में मोदी सरकार की तारीफों के सिवा कुछ नहीं है। उमर सरकार ने अपने बजट में पांच अगस्त के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार को आगे बढ़ाया है। सब कुछ मोदी सरकार का है। पिछले पांच साल की मोदी सरकार की सभी उपलब्धियों को सरकार ने अपने बजट में शामिल किया है।

नेकां के घोषणापत्र पर भी उठाए सवाल

सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के चुनावी घोषणा पत्र को विधानसभा में लहराते हुए उन्होंने कहा कि इसमें मुफ्त बिजली, मुफ्त सिलेंडर, मुफ्त राशन, दैनिक वेतन भोगियों को नियमित करना, एक लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा पूरा करने के लिए सरकार को हर साल करीब बारह हजार करोड़ रूपये खर्च करने होंगे।

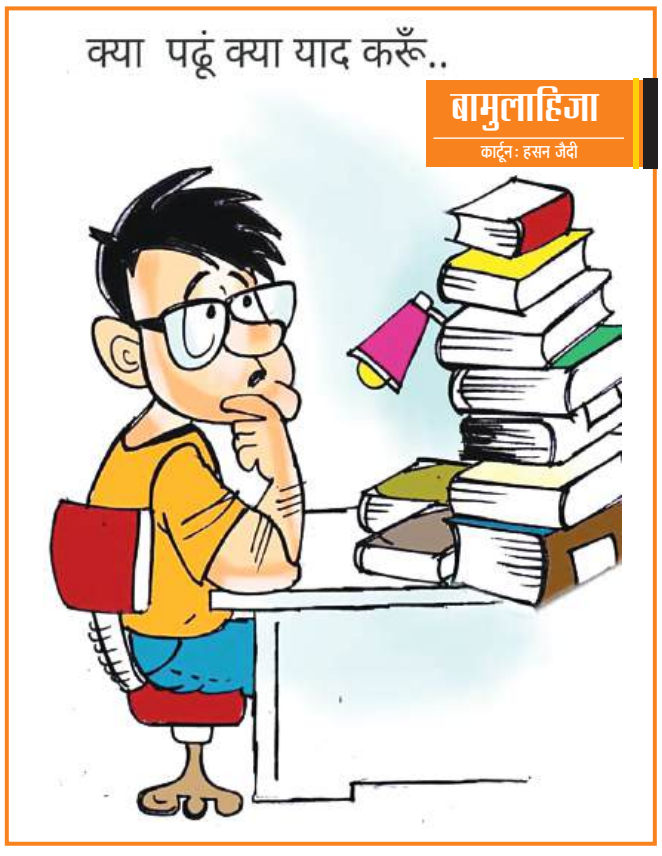

अफसरों का गलत इस्तेमाल ठीक नहीं : मायावती

» बोलीं- कानून-व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि संभल की तरह अफसरों का इस्तेमाल किया जाना ठीक नहीं है। रमजान के दौरान पड़ रहे होली के त्योहार को आपसी भाईचारे में बदलना सभी के हित में साबित होगा।

उन्होंने एक्स पर कहा कि जैसाकि विदित है कि इस समय रमजान चल रहे हैं और इसी बीच जल्दी होली का भी त्योहार आ रहा है, जिसे मद्देनजर रखते हुये यूपी सहित पूरे देश में सभी राज्य सरकारों को इसे आपसी भाईचारे में तब्दील करना चाहिए तो यह सभी के हित में होगा। अर्थात् इसकी आड़ में किसी भी मुद्दे को लेकर कोई भी राजनीति करना ठीक नहीं। सभी धर्मों के अनुयायियों के मान-सम्मान का बराबर ध्यान रखना बहुत जरूरी है। संभल की तरह अधिकारियों का गलत इस्तेमाल करना ठीक नहीं तथा इनको कानून व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बता दें कि संभल के सीओ अनुज चौधरी का एक बयान वायरल हुआ था जिसमें वो कह रहे थे कि जिसको भी होली के रंगों से दिक्कत है वो घर के बाहर न निकले। उनके इस बयान पर काफी विवाद हुआ था।

फिर होगा बसपा-सपा का मिलन!

विस-27 चुनाव से पहले सियासी अटकलें

» मायावती के भाजपा पर हमलावर होने से लगे कयास

» रणनीतिकारों का कहना सपा-बसपा के मिलने से भाजा को होगा नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव-27 होने में अभी लगभग दो साल है पर वहां के सियासी दल अभी से अपने कीलकाटें दुरुस्त करने लग गए हैं। जहां सत्ता में बैठी भाजपा हिंदुत्व के मुद्दे को धार देने में लगी है तो सपा पीडीए के सहारे 27 में सत्ता में वापसी की कोशिश में जुटी है। इन सबके बीच बसपा जो धीरे-धीरे यूपी में हासिए में जा रही है फिर से लोगों के बीच में पैठ बनाने के लिए हाथ-पांव मार रही है।

इसी को लेकर बसपा विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने को लेकर गुणा-गणित शुरू कर चुकी है। भतीजे आकाश को पार्टी से निकालने के बाद मायावती ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं लगातार बीजेपी पर हमला बोल रही है। मायावती ने अपने बीते कुछ बयानों में बीजेपी को आड़े हाथों लेकर इस बात का एहसास करा दिया है। मायावती के इन बदलते तेवरों से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है। चर्चा है कि अखिलेश यादव और मायावती एक बार फिर साथ आ सकते हैं। अगर ये दोनों नेता साथ आते हैं तो साल 1993 में मिली सपा-बसपा गठबंधन की करिश्माई जीत को दोहरा सकते हैं।

केशव देव मौर्य के बयान पर घमासान

दरअसल यूपी में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए सत्ताधारी बीजेपी हिंदुत्व के एजेंडे पर काम कर रही है। सीएम योगी ने बजट सत्र के दौरान इसकी एक बानगी भी पेश कर दी है। उधर मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी अपने पीडीए के सहारे यूपी की सत्ता में वापसी करना चाहती है। लेकिन इसी बीच महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने बड़ा बयान दे दिया है। केशव देव मौर्य ने कहा कि बीजेपी से अकेले ना ही समाजवादी पार्टी जीत पाएंगी और ना ही अकेले बहुजन समाज पार्टी जीत पाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे में बेहतर यही होगा कि सपा और बसपा दोनों मिलकर बीजेपी को सत्ता से हटाकर 2027 में सरकार बना लें। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

2019 में एक साथ आ चुके हैं सपा-बसपा

एक-दूसरे के राजनीतिक धुरविरोधी माने जाने वाले मायावती और अखिलेश यादव मोदी को सत्ता से हटाने के लिए 2019 लोकसभा चुनाव में एक साथ आ चुके हैं। इस चुनाव में मायावती 0 से 10 सीट पर पहुंच गई थी, लेकिन सपा मुखिया अखिलेश यादव 2014 के आंकड़ों पर ही सीमित रह गए थे। हालांकि 10 सीटों का फायदा होने के बाद भी मायावती ने सपा का वोट बसपा में ट्रांसफर ना होने का आरोप लगाते हुए अपने रास्ते अलग कर लिए थे। इसके बाद से पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अक्सर बीजेपी की तुलना में सपा और कांग्रेस पर ज्यादा हमले बोलने लगी थी। इस पर सपा मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समय-समय पर अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। यही नहीं, सपा ने बसपा के टिकटों पर भी सवाल खड़े किए हैं।

1993 की जीत को दोहराने का है मौका

वहीं राजनीतिक जानकारों की माने तो राजनीति में कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता है। 1993 में गठबंधन की सरकार बनाने के बाद 1995 के गेस्ट हाउस कांड के बाद मुलायम सिंह यादव और मायावती के रास्ते अलग हो गए थे। लेकिन साल बाद सपा और बसपा साथ आ गए थे। साल 2019 के चुनाव में अखिलेश, मायावती और मुलायम सिंह यादव एक साथ एक मंच पर नजर आए थे। इसलिए ये कहना कि यह दोनों दल एक साथ नहीं आ सकते हैं, ये कहना गलत होगा। वहीं चर्चा ये भी है कि मायावती के साथ गठबंधन करके अखिलेश यादव 1993 वाले करिश्मा को दोहराना चाहते है। दिसंबर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिराया गया था, उसके ठीक बाद साल 1993 में हुए विधानसभा चुनाव में सपा और बसपा ने मिलकर सरकार बना ली थी। तब सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और बसपा के संस्थापक कांशीराम ने मिलकर सरकार बनाई थी।

गुजरात में फुलप्रूफ प्लान के साथ उतरेगी कांग्रेस

भाजपा को सत्ता से हटाने की कोशिश में जुटी पार्टी

» पार्टी नेताओं के साथ राहुल ने की बैठक

» दिया चुनाव जीतने का मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। कई राज्यों में हार के बाद अब कांग्रेस भाजपा को फिर से पटखनी देने की तैयारी कर रही है। इस बार पार्टी ने शाह व मोदी के गढ़ गुजरात से शुरुआत की हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व नेता प्रतिपक्ष राहुलगांधी ने राज्य का दौरा कार्यकताओं की हौसला अफजाई की है। हालांकि इसी के साथ उन्होंने उन नेताओं की खिंचाई भी की है जो भाजपा से मिले हुए है।

उनके इस बयान के बाद से कांग्रेस में कोहराम मच गया था। पर रणनीतिकारों का मानना है कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गुजरात में सबकुछ ठीक करके कांग्रेस को सत्ता में लाना चाहते हैं। गुजरात में भाजपा को हराने के लिए एक मजबूत योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व अध्यक्षों, पूर्व विपक्ष के नेताओं, राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्यों, जिला शहर अध्यक्षों और राज्य के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ बातचीत की। इसके अलावा आज अहमदाबाद में उन्होंने एक सभा को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि हमें यहां सत्ता में आए करीब 30 साल हो गए हैं। जब भी मैं यहां आता हूं, 2007, 2012, 2017, 2022, 2027 के विधानसभा चुनावों की चर्चा होती है। लेकिन सवाल चुनाव का नहीं है।

पूरे मेहनत से जुटें तो हम जरूर जीतेंगे : राहुल

कांग्रेस नेता राहुगांधी ने कहा कि जब तक हम अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, गुजरात की जनता हमें चुनाव नहीं जिताएगी। जब तक हम अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, हमें गुजरात की जनता से सत्ता में आने के लिए भी नहीं कहना चाहिए। मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस दिन हम ऐसा करेंगे, गुजरात की जनता कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देगी। राहुल ने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों का सामना करना पड़ा, तो हम हर जगह नेतृत्व की तलाश कर रहे थे। अंग्रेज हमारे सामने थे, कांग्रेस पार्टी भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करती थी, लेकिन हमारे पास कोई नेता नहीं था। नेता कहां से आया? नेता दक्षिण अफ्रीका से आया। महात्मा गांधी कौन थे और उन्हें हमें किसने दिया? राहुल गांधी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें नहीं दिया। गुजरात ने कांग्रेस पार्टी को हमारा मूल नेतृत्व दिया और उस नेतृत्व ने हमें सोचने का तरीका, लड़ने का तरीका, जीने का तरीका दिया। गांधी जी के बिना कांग्रेस पार्टी देश को आज़ादी नहीं दिला पाती और गुजरात के बिना गांधी जी नहीं होते। उन्होंने कहा कि अगर हमें रास्ता दिखाया गया, हमारे संगठन को रास्ता दिखाया गया, भारत को रास्ता दिखाया गया, तो गुजरात ही था जिसने हमें रास्ता दिखाया। राहुल ने कहा कि मैंने कल वरिष्ठ नेताओं, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों से मुलाकात की। मेरा लक्ष्य था- आपके दिल की बातें जानना और समझना। इस बातचीत में संगठन, गुजरात की राजनीति और यहां की सरकार के कामकाज से जुड़ी बहुत सी बातें सामने आईं। लेकिन मैं यहां सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं आया हूं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों के लिए आया हूं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जहां पर भी होगी टीम भावना बदलेगी तस्वीर

बारह साल बाद तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी की खिताबी जीत ने अंग्रेजी की एक कहावत के इस हिंदी भावार्थ को भी फिर रेखांकित कर दिया कि सफलता में बहुत से हिस्सेदार होते हैं, लेकिन असफलता में कोई नहीं होता। इसी साल जनवरी के पहले सप्ताह में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की शृंखला का आखिरी मैच खेला था।

एक जीत से पूरी तस्वीर ही बदल गई। जिस बॉर्डर-गावस्कर सीरीज व अन्य मैचों भारत की हार हो रही थी तो पूरी टीम इंडिया को आलोचनाओं के तीर भी सहने पड़ रहे थे। सबसे ज्यादा प्रशंसकों व आलोचकों के निशाने पर दो दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा व विराट कोहली थे। पर चैंपियंस ट्राफी जीतने के बाद दोनों खिलाड़ियों के तारीफ में पूरे-पूरे अखबारों से कर सोशल मीडिया प्लेट फार्म भरे हुए थे। बारह साल बाद तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी की खिताबी जीत ने अंग्रेजी की एक कहावत के इस हिंदी भावार्थ को भी फिर रेखांकित कर दिया कि सफलता में बहुत से हिस्सेदार होते हैं, लेकिन असफलता में कोई नहीं होता। इसी साल जनवरी के पहले सप्ताह में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की शृंखला का आखिरी मैच खेला था। उस शृंखला में भारत की शर्मनाक हार के बाद प्रशंसकों का टीम इंडिया पर गुस्सा जमकर फूटा।

कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खिलाडियों को टीम से बाहर करने की मांग की जाने लगी, लेकिन डेढ़-दो महीने बाद ही 20 फरवरी से 9 मार्च तक टीम इंडिया ने चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार और अजेय प्रदर्शन किया, तो उसका जश्न समय से पहले ही देश में होली मनाने का मौका बन गया। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे जिन बड़े खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चुका हुआ मान लिया गया था। टीम के हेड कोच गौतम गंभीर भी जिन्हें अप्रत्यक्ष नसीहत दे रहे थे। बीसीसीआइ जिनके संन्यास पर चर्चा करने लगा था। उन्होंने ही टीम इंडिया को रिकॉर्ड तीसरी बार आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में निर्णायक भूमिका निभाई। बेशक क्रिकेट एक टीम गेम है और ज्यादातर खिलाडियों के बेहतर प्रदर्शन के बिना जीत मुश्किल होती है। इसलिए कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की गेंदबाजी तथा श्रेयस अय्यर और केएल राहुल की बल्लेबाजी के महत्त्व को कम नहीं आंका जा सकता, लेकिन अगर फाइनल में बतौर ओपनर कप्तान रोहित शर्मा ने 83 गेंदों पर 76 रनों की धुआंधार पारी नहीं खेली होती तो न्यूजीलैंड के 251 रनों को पार कर ट्रॉफी उठा पाना नामुमकिन होता। विराट कोहली की शतकीय पारी के बिना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के विरुद्ध भी जीत मुश्किल होती। ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध जीत में भी कोहली के अर्धशतक की भूमिका रही। वैसे तो पाकिस्तान के विरुद्ध जीत भारतीय मनोविज्ञान को सबसे ज्यादा सुकून देती है, लेकिन इस चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के विरुद्ध दो और ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एकमात्र मैच में जीत ने भी भारतीय क्रिकेट और प्रशंसकों को बड़ी राहत पहुंचाई है। भारतीय टीम को शुभकामनाएं कि वह आगे भी ऐसे ही जीतते रहें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आस्था में पुण्य प्रदान करने का सामर्थ्य

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

समाज में एक बड़ी पुरानी कहावत चली आ रही है कि 'जैसा खाए अन्न, वैसा होए मन' और 'जैसा पीए पानी, वैसी होए बानी'। इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि हमारा चिंतन हमारे खान-पान के अनुसार ही बनता है। हमें संसार में द्वैत दिखलाई देता है यानी सच के साथ झूठ, दिन के साथ रात, ठण्ड के साथ गर्मी, सफेद के साथ काला और सकारात्मकता के साथ नकारात्मकता सदा रहती ही है। इसी द्वैत के भीतर हमें समाज में आस्तिकता और नास्तिकता का प्रभाव भी दिखाई देता आया है। हर आस्तिक व्यक्ति की सबसे बड़ी शक्ति 'आस्था' होती है, जो व्यक्ति की जीवनी शक्ति बनती आई है। 'आस्था' की शक्ति को तुलसीदास के शब्दों में देखा जा सकता है-

'एक भरोसो, एक बल, एक आस बिस्वास।
एक राम घनस्याम हित, चातक तुलसीदास।'

इधर प्रयागराज में 'महाकुम्भ' बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हुआ है, जहां 'आस्था का महासागर' हिलोरें ले रहा था और पूरे भारत से जाति, धर्म, वर्ग और ऊंच-नीच के भेद की परवाह किए बिना करोड़ों नर-नारी पतितपावनी मां गंगा में स्नान करने संगम-तट पर पहुंच रहे थे। इन करोड़ों नर-नारियों की शक्ति वस्तुतः उनकी 'आस्था' ही थी, जिसके बल पर वे रेलों और बसों के साथ ही पैदल चल-चल कर 'संगम तट' पर पहुंचे। आज जाने क्यों, ब्रह्ममुहूर्त में प्रयागराज के संगम तट से एक जोरों की बहस का स्वर सुनकर मुझे लगा कि इस बहस को तो अवश्य सुनना चाहिए। असल में यह बहस 'आस्था' और 'नास्तिकता' के बीच हो रही थी और चिढ़ी हुई नास्तिकता कुछ अधिक ही गुस्से में आस्था से सवाल पर सवाल पूछे जा रही थी। आस्था शांत भाव से उत्तर दे रही थी। नास्तिकता का सवाल सबसे पहले 'संगम तट' की गंगा से यह था कि करोड़ों व्यक्तियों के जो 'पाप' तुम रोज़ धो रही हो, उन्हें ले जाकर रखती कहां हो? महाकुंभ में उमड़े जनसमूह को उनकी असीम श्रद्धा के अनुसार स्नान कराने वाली पतितपावनी 'गंगा' ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'नास्तिकता बहन!

मैं किसी का भी पाप या पुण्य अपने पास नहीं रखती, बल्कि ले जाकर सब कुछ सागर को अर्पित कर देती हूं।' गंगा की यह बात सुनकर नास्तिकता सागर के पास जाकर बड़े अभिमान के स्वर में बोली, 'ऐ सागर!

करोड़ों लोगों के पाप और पुण्य गंगा से लेकर तू कहां रखता है? मुझे साफ-साफ बता।' सागर को नास्तिकता की अभिमान भरी भाषा बुरी तो लगी, लेकिन वह धैर्यपूर्वक शांत भाव से बोला कि मैं तो अपने पास कुछ भी नहीं रखता, बल्कि सूर्य भगवान के ताप से सारे पाप-पुण्य को 'भाप' बना-बना कर बादलों को दे देता हूं। अब क्या था, गुस्साई नास्तिकता सागर को छोड़ कर बादलों के पास जा पहुंची और बोली, 'अरे बादलो! अब तुम मुझे बताओ कि सागर गंगा से मिले जन-जन के जो पाप और पुण्य तुम्हें भाप के रूप में सौंप देता है, उनको तुम कहां रखते हो?' बादल गरज कर बोले कि सुन नास्तिकता! हम कुछ भी अपने पास नहीं रखते। हम तो वर्षा के रूप में सारे के सारे पाप और पुण्य भूमि को लौटा देते हैं, इसलिए तुम जानना ही चाहती हो तो भूमि से ही जाकर पूछो। व्यर्थ में हमारे सिर पड़ कर हमें तंग मत करो। बुरी तरह झल्लाई हुई नास्तिकता आखिर भूमि के पास आई और उससे भी वही सवाल पूछा कि जो पाप और पुण्य गंगा में नहाकर लोग छोड़ आते हैं और बादल तुम्हें वर्षा के रूप में दे देते हैं, उनका तुम क्या करती हो? भूमि ने बड़े ही धैर्यपूर्वक नास्तिकता से कहा-' तुम शायद नहीं जानती कि मैं 'माता' हूं। शास्त्र कहते हैं- 'माता भूमि पुत्रोऽहं पृथिव्या', इसलिए मां होने के नाते मैं तो सब कुछ 'अन्न और जल' के रूप में इस सारे संसार को ही लौटा देती हूं। मेरी कोख से उपजा हुआ अन्न संसार का हर मानव खाता है और मेरे कुओं, तालाबों, झरनों और नदियों आदि का जल जन-जन पीता है। जो कुछ भी अच्छा या बुरा मां गंगा लेती हैं, वही सब कुछ जब मुझ तक पहुंचता है, तो मैं उसे अन्न-जल के रूप में संसार को लौटा देती हूं। आस्था उसी 'पाप-पुण्य' को अन्न के रूप में खाकर 'पुण्य' बना लेती है, जबकि तुम नकारात्मक दृष्टि होने के कारण उसे 'पाप' ही मानती हो। याद रक्खो, जैसा खाए अन्न, वैसा होए मन और जैसा पीए पानी, वैसी होए बानी।

'आस्था तो पाप को भी, पुण्य बनाती आप।
नास्तिकता अड़ियल रहे, पुण्य को समझे पाप।'

मुझे लगा कि आस्था मुस्कुरा रही है और नास्तिकता गुस्से में तमतमा कर गंगा को गालियां दे रही है। आज मेरे 'अंतर्मन' को सचमुच संसार की सबसे बड़ी शक्ति 'आस्था' के उस रूप का पता चल गया, जो प्रयागराज में गए करोड़ों नर-नारियों की संजीवनी बन गई है।

संभव है ट्रम्प-पुतिन-मोदी शिखर सम्मेलन

ज्योति मल्होत्रा

एक सप्ताह पहले डोनाल्ड ट्रम्प और वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच हुई तीखी नोक-झोंक अब इतिहास बन चुकी है। ओवल ऑफिस की उस सुबह दुनिया बदल गई और विश्व ने ताकत का अपरिष्कृत उपयोग होते देखा। अगर यूरोप - और यूक्रेनियन भी- शक्ति के ऐसे प्रयोग में शालीनता और शिष्टाचार की कमी को लेकर भड़क रहे हैं, तो शायद वे सही हैं। लेकिन इतना तो वे भी जानते हैं, यदि आप कुछ अंडे नहीं तोड़ सकते, तो ऑमलेट बनाना सरल नहीं। हैरानी जिस बात की है वह यह कि यूरोपीय और ब्रिटेन को झटका इस कदर लगा है। ब्रिटिश और फ्रांसीसी, जोकि सुरक्षा परिषद के वीटो पॉवर संपन्न स्थाई सदस्य हैं - इनके अलावा यूरोप महाद्वीप के वे तमाम अन्य देश जो विश्व मंच पर खुद को स्थापित करने की बेतहाशा कोशिश में हैं - अमेरिकी डॉलर की पीठ पर सवार होने के कारण, अमेरिकियों के सामने नतमस्तक रहे, कम से कम द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से।

यूरोप का सबसे उघड़ा रहस्य यह है कि यूरोपीय लोगों के अंदर अनाकर्षक अमेरिकियों के प्रति व्याप्त घृणा बमुश्किल छिपी है- उन्हें तो सिर्फ उनका पैसा चाहिए। सुएज़ के पार, गर्मियों में पेरिस के बेकरी वाले सबसे महंगे बगेट (ब्रेड) बनाकर रखते हैं - जब फ्रांस की राजधानी पेरिस आने वाले अमेरिकी पर्यटकों की भारी भीड़ के कारण हर चीज खत्म हो जाती है, ठीक वैसे ही, जब उन सभी को हेमिंग्वे की किताब 'ए मूवेबल फीस्ट' के एक या अन्य संस्करण की तलाश भी रहती है। ट्रम्प एंड कंपनी-जेडी वेंस, एलन मस्क और अन्य की एक बात है कि उनके पास वह करने के वास्ते कोई वक्त नहीं है, जिसे जाने-माने पत्रकार शेखर गुप्ता 'तानपुरा-सेटिंग' कहते हैं। इसका मतलब है कि यूरोप, जिसे औपचारिक संवाद और व्यवहार में तमाम तरह का तामझाम और अलंकार बहुत पसंद है, जिसको 'इग्लाइट' और 'लिबर्टे' और यहां तक कि 'फ्रैटरनाइट' जैसे कलिष्ट शब्दों में पिरोया जाता है - हालांकि, यहां आपको उत्तरी अफ्रीका में फ्रांस के कुछ दशक पहले के इतिहास पर नज़र डालनी चाहिए, खासकर अल्जीरिया में, जहां के श्वेत फ्रांसीसी भी 'पाइड नोयर' या 'ब्लैक फीट' पुकारे जाते थे, क्योंकि वे मुख्यभूमि के फ्रांसीसियों जितने गोरे नहीं थे - यह सब आत्मा को इतना झकझोरने और उद्वेलित करने वाला है, क्योंकि वे जानते हैं कि आखिरकार उनके रखे अनाप-शाप दाम अटलांटिक पार से आए अमेरिकी ही चुका सकते हैं।

खैर, ट्रम्प और वेंस ने अभी-अभी घोषणा की है कि इस सारी 'तानपुरा-सेटिंग' का समय समाप्त हो चुका है। या फिर आप अपना 'तानपुरा सेट करना' जारी रख सकते हैं, लेकिन हमारे समय या हमारे पैसे की एवज पर नहीं। इसलिए यूक्रेन का अंतिम यूक्रेनी तक लड़ने का निर्णय मुबारक हो, लेकिन अमेरिकी पैसे पर नहीं। कम से कम अफगानिस्तान ने अमेरिका और यूरोप को एक बात सिखाई है - किसी और की लड़ाई लड़ने का मतलब यह नहीं है कि आपके फौजी इसमें मरें। शायद इसीलिए उन्होंने अपना अपराध बोध कम करने को अपनी थैली की डोरी ढीली की थी।

ट्रम्प ने उस सुबह ओवल ऑफिस में यूरोप के पाखंड को उजागर किया। तीन साल से यूरोप और कनाडा व्लादिमीर पुतिन से लड़ने के लिए जेलेंस्की को उकसाते आए है, सिवाय इसके कि अफगानिस्तान के उलट, वहां वे अपने फौजी मरवाने को तैयार नहीं हैं। दुनिया को इस दिशा में आगे बढ़ने में एक हफ्ते से भी कम समय लगा। सिर्फ जेलेंस्की ही नहीं, हर कोई ट्रम्प के नेतृत्व वाली 'नई साहसी दुनिया' के लिए तैयारी कर रहा है, क्योंकि वे जानते हैं कि उनके पास कोई और विकल्प नहीं है। हाल-फिलहाल केवल चीनी ही तनकर सामने खड़े हैं। इसके क्या मायने हैं, आप जानते हैं। ट्रंप भी मानते हैं कि उनका असली मुकाबला पुतिन से नहीं बल्कि शी जिनपिंग से है। किसी और के पास नहीं, केवल चीनियों के पास ही अमेरिकियों का सामना करने लायक ताकत और कूवत है। शायद इसीलिए ट्रंप 'रूसी भालू' को गले लगाना चाहते हैं - यह करके वे उसे चीनी नेता की ड्रैगन जैसी पकड़ से दूर रखना चाह रहे हैं। यह अविश्वसनीय है कि ट्रंप ने इस मूल सच्चाई को इतनी जल्दी बूझ लिया, लेकिन वाशिंगटन डीसी के बाकी लोगों के भेजे में सालों तक यह बात नहीं आई। अच्छा, तो फिर ट्रंप युग में भारतीय विदेश नीति को लेकर कोई क्या-क्या सोचे? मोदी सरकार ने ट्रंप से जल्द मिलने को जाकर ठीक किया, भले ही यह उसी समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति भारतीयों को असम्मानजनक तरीके से निर्वासित कर रहे थे। इसलिए मोदी ने कड़वी गोली जल्द निगल ली, क्योंकि उन्हें पता था कि उन्हें यह करना पड़ेगा - अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने जल्दी पड़ना और अपनी बात कहना।

वाशिंगटन डीसी में मोदी की उपस्थिति से उनके पुराने नारे : 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' की याद भी ताजा हो गई, जोकि बाइडेन के लिए ज़ेलेंस्की के समर्थन के एकदम उलट था। बाकी चीजें विदेश मंत्री एस जयशंकर चतुराई से साध रहे हैं। इसीलिए उन्होंने घोषणा कर दी कि भारत 'डी-डॉलराइजेशन' के साथ नहीं है, हालांकि रूस के कज़ान में चीन के नेतृत्व वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत ने ठीक यही करने में सहमति जताई थी, सालाना बजट पेश करने से पूर्व ही, लग्जरी मोटरसाइकिलों के लिए टैरिफ घटा दिया, क्योंकि अपने पिछले कार्यकाल में ट्रंप यही करवाना चाहते थे। संक्षेप में, ट्रंप को खुश करने की कोशिश की जा रही है या कम से कम उन्हें शांत करने, उन्हें यह दिखाने की कि हमारा इरादा उनका नुकसान करने का नहीं है। आप जानते हैं कि वह एक अप्रत्याशित मिजाज़ वाले बंदे हैं- मैक्सिको और कनाडा पर जो शुल्क लगाने की उन्होंने हाल ही में घोषणा की थी।

दिल ही नहीं दिमाग के लिए भी फायदेमंद है

चॉकलेट

चॉकलेट की मिठास रिश्ते की मिठास के प्रतीक के रूप में देखी जाती है, जो प्यार और स्नेह को बढ़ाती है। लेकिन चॉकलेट केवल दिल का ही ख्याल नहीं रखती, बल्कि दिमाग और त्वचा की सेहत पर भी सकारात्मक असर डालती है। चॉकलेट न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि इसमें कई स्वास्थ्यवर्धक गुण भी होते हैं। हालांकि, इसका अत्यधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है। चॉकलेट सेहत के लिए अच्छी है, बशर्ते इसे सही मात्रा और सही प्रकार में खाया जाए। सेहत के लिए डार्क चॉकलेट सबसे अच्छी होती है, जबकि अधिक मीठी चॉकलेट से बचना चाहिए। अगर संतुलित रूप से चॉकलेट का सेवन किया जाए, तो यह दिल, दिमाग, त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकती है।

मूड सुधारने में सहायक

चॉकलेट में सेरोटोनिन और डोपामाइन बढ़ाने वाले तत्व होते हैं, जो तनाव और अवसाद को कम कर सकते हैं। डार्क चॉकलेट दिमाग की कार्यप्रणाली को बेहतर बना सकता है। यह ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करके एकाग्रता और याददाश्त को बढ़ाने में मदद करती है। अध्ययन के मुताबिक, लगभग 5 दिनों तक हाई फ्लेवनॉल कोको यानी डार्क चॉकलेट खाने से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में सुधार हो सकता है।

इम्यूनिटी और पाचन को रखता है मजबूत

चॉकलेट में मौजूद फाइबर और मिनरल्स पाचन को सुधारते हैं और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। वहीं सही मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन किया जाए तो मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा रहता है और भूख को नियंत्रित किया जा सकता है। 30-50 ग्राम डार्क चॉकलेट रोज खाना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। कम मात्रा में खानी चाहिए, क्योंकि इन में अधिक चीनी और वसा होती है। चॉकलेट का सेवन सुबह के समय या दोपहर के बाद हल्की मात्रा में करना बेहतर होता है। रात में ज्यादा चॉकलेट खाने से नींद प्रभावित हो सकती है, क्योंकि इसमें कैफीन होता है।

त्वचा और बालों को मिलता है लाभ

डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को किरणों से बचाते हैं और उसे जवां बनाए रखते हैं। त्वचा में रक्त प्रवाह में सुधार करने के लिए भी डार्क चॉकलेट असरदार है। इसमें पाए जाने वाले बायोएक्टिव कंपाउंड भी त्वचा के लिए बहुत अच्छे हो सकते हैं। साथ ही त्वचा को हाइड्रेट बनाए रखने में भी डार्क चॉकलेट फायदेमंद है। यह बालों को पोषण देकर उन्हें मजबूत और चमकदार बनाती है।

हृदय के लिए है लाभदायक

डार्क चॉकलेट में फ्लेवोनॉयड्स और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो हृदय को स्वस्थ रखते हैं। इसमें पाया जाने वाला फ्लेवनॉल्स शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड के उत्पादन को बढ़ाने के लिए धमनियों की परत को उत्तेजित करती है। नाइट्रिक ऑक्साइड धमनियों को आराम देता है और रक्त प्रवाह के प्रतिरोध को कम करने में सहायक होता है। जिसकी वजह से ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो सकता है और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। कोको के बीज और डार्क चॉकलेट, रक्त प्रवाह और रक्तचाप के स्तर में सुधार कर सकते हैं।

चॉकलेट के नुकसान

चॉकलेट का सही मात्रा में वजन नियंत्रित करने में सहायक है तो वहीं अधिक चीनी वाली चॉकलेट से वजन बढ़ सकता है। मिल्क और व्हाइट चॉकलेट में अधिक चीनी और वसा होती है, जो वजन बढ़ाने का कारण बन सकती है। अधिक मीठी चॉकलेट खाने से ब्लड शुगर बढ़ सकता है, जिससे डायबिटीज और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। कुछ लोगों को चॉकलेट खाने से सिरदर्द (माइग्रेन) हो सकता है, खासकर अगर वे कैफीन या थियोब्रोमाइन के प्रति संवेदनशील हैं। अधिक मात्रा में चॉकलेट खाने से एसिडिटी और पेट में जलन हो सकती है। छोटे बच्चों को अधिक मीठी चॉकलेट देने से दांतों में कीड़े लग सकते हैं और हाइपरएक्टिविटी हो सकती है।

हंसना मना है

पत्नी- फोन पे इतनी धीमी आवाज में किस से बात कर रहे हो? पति - बहन से। पत्नी- तो फिर इतनी धीमी आवाज में किसलिए? पति - तेरी है, इसलिए।

पत्नी- शादी के दस साल हो गए और एक आप है, जो आज तक कही घूमने तक नहीं ले गए। पति- ठीक है आज घूमने चलेंगे। शाम को पति, पत्नी को लेकर श्मशान घाट ले गया! पत्नी गुस्से से बोली- छी श्मशान भी कोई घूमने की जगह होती है? पति- अरे पगली लोग मरते है यहां आने के लिए।

बेटा- पापा आप शराब मत पिया करो। पापा- पिने दे बेटा, साथ क्या लेकर जाना है? बेटा- आप इसी तरह पीते रहे तो छोड़कर भी क्या जाओगे?

कोई गम नहीं मगर दिल उदास है, तुझसे कोई रिश्ता नहीं फिर भी एहसास है, कहने को बहुत अपने है मगर तू एक खास है, ज्यादा इमोशनल ना होना ऊपर सब बकवास है।

अंग्रेज सिपाही से- इस आदमी का कान काट दो। चोर- नहीं मेरा कान मत काटो, नही तो मैं अंधा हो जाऊंगा। अंग्रेज- बेवकूफ कोई कान काटने से अंधा होता है। चोर- अरे बेवकूफ कान काट देगा तो चश्मा क्या तेरे बाप के कान पर लगाऊंगा।

कहानी | धूर्त बिल्ली का न्याय

बहुत पहले एक जंगल में एक पेड़ के तने में एक खोल था। उस खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। जब कई दिनों तक तीतर वापस नहीं आया, तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। लगभग दो से तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। खा-खाकर वह बहुत मोटा हो गया था और लंबे सफर के कारण बहुत थक भी गया था। लौटकर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और उसने झल्लाकर खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को इस तरह चिल्लाते हुए देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? कौन सा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तीतर बार-बार खरगोश को घर से निकलने के लिए कह रहा था और खरगोश अपनी जगह से टस से मस नहीं हो रहा था। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई को दूर से एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह पेड़ के नीचे ध्यान मुद्रा में बैठ गई और जोर-जोर से ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, तुम समझदार लगती हो। जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। उनकी बात सुनकर बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

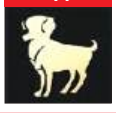

बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। यात्रा होगी। व्यावसायिक अथवा निजी काम से सुखद यात्रा हो सकती है।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च होंगे। तनाव रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम न लें। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे।

मिथुन

रुका हुआ धन मिल सकता है। निवेश शुभ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वयं के ही प्रयासों से जनप्रियता एवं मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क

वरिष्ठ जन सहायता करेंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रोजगार बढ़ेगा। सतर्कता से कार्य करें। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

सिंह

तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। बाहरी सहायता से काम होंगे। ईश्वर में रुचि बढ़ेगी। कामकाज की अनुकूलता रहेगी।

कन्या

चोट व रोग से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। दूसरों पर विश्वास हानि देगा। कार्य में बाधा होगी। पत्नी से आश्वासन मिलेगा। स्वयं के निर्णय लाभप्रद रहेंगे।

तुला

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्यों में विलंब से चिंता होगी।

वृश्चिक

संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु

पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है।

मकर

आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। विवाद से बचें।

कुम्भ

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। कार्य पूर्ण होंगे। आय बढ़ेगी। मनोरंजक यात्रा होगी। प्रसन्नता रहेगी। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें।

मीन

आज पुराने मित्र, रिश्तेदार या दूरस्थ क्षेत्र के संबंधी मिलेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न लें। लाभ होगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

हिंदी सिनेमा को रीसेट करने की जरूरत : हंसल मेहता

हंसल मेहता आज बॉलीवुड के टॉप फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों में से एक हैं। वह हमेशा से ही इंडस्ट्री से जुड़ी अपनी चिंताओं को लेकर मुखर रहे हैं और एक बार फिर उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने हिसाब से जरूरी मुद्दों को उठाया है। एक्स पर निर्देशक ने लिखा कि बॉलीवुड को कैसे रीसेट करने की जरूरत है। उन्होंने नए जमाने के अभिनेताओं की तारीफ की और निर्माताओं, निर्देशकों से आग्रह किया कि वे अभिनेताओं पर निवेश करें न कि इंडस्ट्री में पहले से मशहूर सितारों पर। बॉलीवुड के लिए विनाश की भविष्यवाणी करने वालों के लिए- रुकें। इंडस्ट्री खत्म नहीं हो रही है। यह नाकाम होने का इंतजार कर रहा है। समस्या यह नहीं है कि दर्शकों की रुचि खत्म हो रही है। समस्या यह है कि पैसा सुरक्षित और पहले से तय चीजों में लगाया जा रहा है। हिंदी सिनेमा का भविष्य नई प्रतिभा, बोल्ड कहानी कहने और ऐसे निर्देशकों पर दांव लगाने से बेहतर होगा, जो एक स्क्रिप्ट लेकर उसे बेहतरीन तरीके से निर्देशित कर सकें। पिछले कुछ वर्षों में यह साबित हुआ है कि जरूरी नहीं कि सितारे ही दर्शकों को आकर्षित करें, बल्कि दृढ़ विश्वास ही दर्शकों को लाता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कलाकारों, फिल्म निर्माताओं और लेखकों की एक नई पीढ़ी खेल को बदलने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए दूरदर्शी निर्माताओं, आंकड़ों की बजाय कहानियों को आगे बढ़ाने वाले प्लेटफॉर्म और जान-पहचान की बजाय ईमानदारी की मांग करने वाले निर्देशकों की जरूरत होगी। इसके लिए अनुशासन, अच्छी प्रदर्शन रणनीति, अच्छी तरह से सोची-समझी मार्केटिंग की जरूरत होगी, न कि टेम्पलेट पेड पब्लिसिटी की, जो पब्लिसिस्ट को अमीर और इंडस्ट्री को बहुत गरीब बना रही है। उन्होंने वेदांग रैना, आदर्श गौरव, ईशान खट्टर, लक्ष्य जैसे कई नए युग के अभिनेताओं की भी सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि कौन सी चीज गायब है? विश्वास। निवेश। धैर्य। वीकएंड बॉक्स ऑफिस नंबरों का पीछा करना बंद करें और ऐसी प्रतिभाएं बनाना शुरू करें, जो दर्शकों को वर्षों तक खींचे रखें।

धनश्री के दिल में चहल के लिए अब भी जगह?

कुछ फी दिनों से कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया पर्सनालिटी धनश्री वर्मा और युजवेंद्र चहल के अलग होने की अफवाह है। इस बीच हाल ही में चहल को आरजे महवश के साथ दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच देखते हुए स्पॉट किया गया। दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुईं। इसके ठीक बाद धनश्री के फैंस ने पाया कि उन्होंने चहल के साथ अपनी डिलीट की गई तस्वीरें री-स्टोर कर ली हैं। धनश्री ने कई सारी तस्वीरों को अन अर्काइव किया है। पिछले साल धनश्री ने चहल के साथ अपनी सभी तस्वीरें और वीडियो को आर्काइव कर दिया था, जिससे दोनों के बीच दरार या अलगाव की अफवाहों को बल मिला। यहां तक कि 2020 की उनकी शादी की तस्वीरें भी अब उनके अकाउंट पर नहीं थीं। सोमवार को पोस्ट फिर से दिखाई देने लगे। जिसका मतलब है कि धनश्री ने उन्हें अन अर्काइव कर दिया था। इनमें उनकी डेट्स, आउटिंग, कोलाब ब्रांड पोस्ट और यहां तक कि शादी और अन्य मौकों की तस्वीरें भी शामिल हैं।

री-स्टोर की डिलीटेड फोटो, फैंस बोले- दिल जलता है...

कई प्रशंसकों ने धनश्री के प्रोफाइल पर इन तस्वीरों को दोबारा देखकर कमेंट किया। वह इन तस्वीरों को देखकर हैरान रह गए। एक यूजर ने लिखा, सभी तस्वीरों को फिर से अन अर्काइव क्यों किया गया? सोमवार को ही धनश्री ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक क्रिप्टिक पोस्ट की थी। उन्होंने लिखा, महिलाओं को दोष देना हमेशा फैशन में रहता है। उनकी यह पोस्ट भी चहल और महवश की वायरल तस्वीरों के बाद ही आई है। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने साल 2020 में कोरियोग्राफर और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी धनश्री वर्मा से शादी की थी। साल 2024 से दोनों के रिश्ते में परेशानी की खबरें सामने आने लगीं। तब से सोशल मीडिया पर दोनों की पर्सनल लाइफ चर्चा में बनी हुई है।

डिजाइनर कपड़े पहनने से कोई सफल नहीं होता है: अदा शर्मा

अदा शर्मा को पिछले कुछ सालों में सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इवेंट्स तक में बहुत ग्लैमरस अंदाज में नहीं देखा गया है। हाल ही में अदा शर्मा ने बताया कि उन्हें अहसास हो चुका है कि डिजाइनर ड्रेस पहनकर कोई स्टार नहीं बनता है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अदा शर्मा बताती हैं कि जब वह फिल्म 'केरल स्टोरी' का प्रमोशन कर रही थी तो अपनी मम्मी की साड़ी पहनकर, इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करती है। क्योंकि कहानी काफी सीरियस थी। फिल्म भी हिट हुई। तब अदा शर्मा को अहसास हुआ कि डिजाइनर कपड़े पहनकर कोई सफल नहीं होता है। तभी उनका नजरिया बदला कि सिर्फ अच्छी एक्टिंग करना ही जरूरी है। आगे अदा शर्मा कहती हैं, ' बहुत सारी ड्रेस, जूतों को मेंटेन करना भी

बॉलीवुड | मसाला

मुश्किल काम है। इसके लिए घर को बंद भी रखना है जिससे धूल-मिट्टी ना आए। लेकिन मुझे नेचर पसंद है, चिड़िया, कबूतर देखना अच्छा लगता है, इसलिए खिड़की खुली रखती हूं। यही कारण है कि मेरा ड्रेसेस से ज्यादा इंट्रेस्ट नेचर के साथ रहने में है।'जल्द ही अदा शर्मा एक फिल्म 'तुमको मेरी कसम' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में अनुपम खेर भी एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी आईवीएफ से जुड़ी है, साथ ही इसमें कोर्ट रूम ड्रामा भी है। फिल्म के ट्रेलर में अदा का रोल भी काफी स्ट्रॉन्ग नजर आया। वह इसमें एक ऐसी महिला का रोल कर रही हैं, जो अपने पति के साथ खड़ी नजर आती है।

दुनिया का इकलौता जीव, जिसका लाखों रुपये लीटर में बिकता है खून

धरती तमाम रहस्यमय चीजों से भरी हुई है। यहां कई अनोखी जगह, अनोखे जीव मौजूद हैं। जब भी इनके बारे में जानकारी सामने आती है, लोग दंग रह जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे से जीव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका खून दुनिया में सबसे महंगा है। इतना ही नहीं, इंसान हों या जीव सबके खून का रंग लाल होता है, लेकिन इसके खून का रंग बिल्कुल अलग है। हम बात कर रहे उत्तरी अमेरिका के समुद्र में पाए जाने वाले एक केकड़े की। हार्सशू क्रैब नाम का यह जीव सामान्य केकड़े की तरह ही नजर आता है, लेकिन इसके 10 पैर और 10 मुंह होते हैं। घोड़े के नाल की तरह दिखने की वजह से इसका नाम हार्सशू क्रैब पड़ा। इसका खून अमृत माना जाता है, क्योंकि इसके जरिए शरीर में मौजूद खराब बैक्टीरिया की पहचान की जाती है। किसी भी खतरनाक बैक्टीरिया के बारे में यह एकदम सटीक जानकारी देता है। कई दवाओं के दुष्प्रभाव के बारे में भी इससे पता चल सकता है। मेडिकल साइंस में इसके खून की डिमांड इतनी ज्यादा है कि यह लगभग 10 लाख रुपये प्रति लीटर बिकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खून निकालने के लिए हर साल 5 लाख से ज्यादा हार्सशू क्रैब को मार दिया जाता है। दरअसल, इसके खून में कॉपर बेस्ड हीमोस्याइनिन होता है, जो ऑक्सीजन को शरीर के सारे हिस्से में ले जाता है। **नीला होता खून का रंग**-आप जानकर हैरान होंगे कि जहां इंसानों और अन्य जीवों के खून का रंग लाल होता है, वहीं हार्सशू क्रैब के खून का रंग नीला होता है। यह दुनिया का इकलौता जीव है, जिसके खून का रंग नीला है। हार्सशू क्रैब में मांस अधिक नहीं होता, लेकिन जापान और ताइवान में इसे खूब खाया जाता है। रसोइये अक्सर इसके व्यंजन में अंडे मिलाते हैं। एक और खास बात हार्सशू केकड़े में बहुत कम विषाक्त पदार्थ होते हैं।

अजब-गजब | रहस्यमय है इस समुदाय की कहानी!

शक्ल इंसानों जैसी और पांव में होती हैं सिर्फ दो उंगलियां

दुनिया कोई छोटी नहीं है, ऐसे में यहां रहने वाले भी तरह-तरह के लोग होते हैं। किसी कोने में कुछ चल रहा होता है तो किसी दूसरे कोने में कुछ और एक जगह पर बैठे हुए लोग ये समझ भी नहीं पाते हैं कि दुनिया की ही किसी और जगह पर कुछ अलग कल्चर हो सकता है। आज हम आपको कुछ ऐसे ही लोगों के बारे में बताएंगे, जिनकी एक अजीब ही खासियत है। आप इसे खासियत कहेंगे या फिर कमी, ये आप खुद ही तय कर लीजिए लेकिन एक ऐसी जनजाति है, जिनकी पूरी नस्ल ही एक अजीब समस्या से गुजर रही है। इनकी शक्ल-सूरत को इंसानों की ही तरह है लेकिन आप पैर देखते ही दंग रह जाएंगे। इन लोगों के पैरों की बनावट हमारी तरह 5 उंगलियों और पंजों की न होकर सिर्फ 2 उंगलियों वाली है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक डोमा ट्राइब के नाम से मशहूर इस जनजाति के लोगों को वाडोमा या फिर बंतवाना ट्राइब के नाम से जाना जाता है। इन्हें अक्सर ऑस्ट्रिच पीपल भी कहा जाता है क्योंकि इनके पैर ऑस्ट्रिच के जैसे होते हैं। ये जनजाति जिम्बॉब्वे के कान्येम्बा रीजन में

पाई जाती है। इस पूरे समुदाय को एक खास जेनेटिक डिसऑर्डर है, जिसे Ectrodactyly कहा जाता है। इस कंडीशन की वजह से ही इनके पैरों में 5 के बजाय कुल 2 उंगलियां ही होती हैं इस जेनेटिक म्यूटेशन को लोब्सटर क्लॉ सिंड्रोम के नाम से जानते हैं। इसमें पैरों से एक या कई उंगलियां जन्म से ही मिसिंग हो जाती हैं। माना जाता है कि डोमा ट्राइब के हर चौथे बच्चे को ये दिक्कत होती है, ज्यादातर लोगों के पैरों के बीच की 3 उंगलियां गायब होती हैं। हालत ये है कि अब इस जनजाति के लोग दूसरे समुदाय में शादी भी नहीं कर सकते हैं क्योंकि उन्हें कानूनी तौर पर इसकी मनाही की गई है। ये लोग न तो ठीक से चल पाते हैं और न ही जूते पहन पाते हैं। सिर्फ पेड़ों पर चढ़ने के मामले में इनका कोई तोड़ नहीं होता।

लाडो लक्ष्मी योजना को लेकर घिरी सैनी सरकार

हरियाणा में कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

» पूछा- महिलाओं को 2100 कब मिलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा सरकार की महिलाओं को हर महीने 21 सौ रुपये देने की लाडो लक्ष्मी योजना पर पूछे गए सवाल को लेकर सदन में तीखी बहस हुई। विवाद बढ़ने पर भाजपा-कांग्रेस विधायक आमने-सामने हो गए। प्रश्न काल के दौरान मुलाना से कांग्रेस विधायक पूजा चौधरी ने पूछा, राज्य की महिलाओं को लक्ष्मी लाडो योजना का लाभ कब से मिलेगा।

सवाल का जवाब देने के लिए सैनी सरकार की ओर से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी खड़े हुए और कहा- पार्टी के घोषणापत्र में यह प्रस्ताव दिया गया था। मामला विचाराधीन है।

सरकार जल्द ही इस पर फैसला लेगी। बेदी के इस जवाब से कांग्रेस विधायक पूजा चौधरी नाराज हो गई। सदन में कहा- उन्हें बहुत हैरानी हो रही है कि इस तरह का जवाब सदन में दिया गया है। सरकार की यही गंभीरता है। हरियाणा की आधी आबादी के प्रति आपकी पार्टी की ओर से यह पहला संकल्प लिया गया था। प्रत्येक महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की बात कही गई थी। अब योजना को मामला बताया जा रहा है। जिसके फार्म छप चुके थे। चुनाव के समय कई जगह फार्म भरवाए गए थे। पांच महीने बाद बताया जा रहा है कि मामला विचाराधीन है। मैं स्पष्ट सवाल पूछ रही हूं कि योजना कब लागू होगी।

अपनी पार्टी के किए वादे के बारे में भी बताएं : बेदी

इस पर बेदी अपनी सीट पर खड़े हुए और कहा- सरकार योजना बना रही है। आपको सरकार की गंभीरता पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा- उन्होंने कहा- आपकी पार्टी ने जहां-जहां घोषणा की थी, क्या वहां खाते में खटाखट खटाखट आ गए। हिमाचल, कर्नाटक व तेलंगाना की जनता आज भी कांग्रेस की इन घोषणाओं के पूरा होने का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा नायब सिंह के वादे ही गारंटी हैं। इसे लेकर सरकार गंभीरता से काम कर रही है।

कांग्रेस का नाम लेने पर सीट पर खड़े हुए हुड्डा व अन्य विधायक

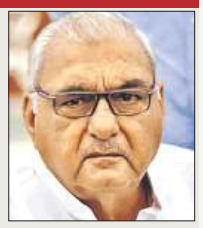

मंत्री बेदी ने जब कांग्रेस शासित का नाम लिया तो कांग्रेस विधायक भड़क गए। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पूर्व मंत्री गीता भुक्कल व आफताब अहमद अपनी सीट पर खड़े हो गए और कहा कि और राज्यों की योजनाओं पर बात करने के बजाय अपने प्रदेश की योजना पर रुख साफ करिए। उधर, सत्ता पक्ष की तरफ से निकाय मंत्री विपुल गोयल भी खड़े हो गए और दोनों के पक्ष के बीच बहस शुरू हो गई। आखिर में स्पीकर हरविंद्र कल्याण को बीच-बचाव करना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से कहा- सरकार इस पर विचार कर रही है। तारीख नहीं बताई जा सकती।

सीएम के विस क्षेत्र में है अराजकता ही अराजकता

» नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने उठाया विस में गर्भवती से दुष्कर्म का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में सांगानेर दुष्कर्म कांड की गूंज फिर सुनाई दी। जयपुर के सांगानेर में दलित महिला से पुलिस कांस्टेबल द्वारा दुष्कर्म का मामला शून्यकाल में कांग्रेस विधायकों ने उठाया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार को घेरते हुए कहा कि राजधानी जयपुर में मुख्यमंत्री के अपने विधानसभा क्षेत्र में ही अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब रक्षक ही भक्षक बन रहे हैं, तो प्रदेश में कानून-व्यवस्था कैसे कायम रहेगी? दरअसल शून्यकाल में कांग्रेस विधायक हरिमोहन शर्मा ने कानून व्यवस्था को लेकर स्थगन प्रस्ताव लगाया था। इस दौरान टीकाराम जूली खड़े हुए और कहा कि मुख्यमंत्री के क्षेत्र में पुलिस ने एक दलित महिला का बलात्कार किया।

प्रदेश में अपराध बेलगाम हो गया है, रक्षक ही भक्षक बन रहे हैं, तो आमजन की सुरक्षा कैसे होगी? हंगामा बढ़ता देख सदन में नेता प्रतिपक्ष का माइक बंद कर दिया गया। इस पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताई। कांग्रेस विधायक बोले कि सरकार लोकतांत्र को दबाना चाहती है। गौरतलब है कि सोमवार को भी इस मुद्दे को लेकर प्रदेश में कई बड़े बयान आए, जिसमें राज्यपाल हरिभाऊ वागड़े ने दुष्कर्मियों को नपुंसक बनाकर छोड़ने की बात कही। इससे पहले पूर्व सीएम गहलोत ने भी सरकार पर हमला बोला था। गहलोत ने इसे कि कानून व्यवस्था की बदतर स्थिति करार दिया था। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि सरकार ने तत्काल कार्रवाई की है, आरोपी कांस्टेबल को गिरफ्तार कर निलंबित कर दिया गया है।

फाइनल में सीधे पहुंचने से चूकी मुंबई

आरसीबी बनी राह का कांटा

» अब खेलना होगा गुजरात के खिलाफ एलिमिनेटर राउंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। स्नेह राणा और किम गार्थ की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने ग्रूप स्टेज के आखिरी मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 11 रन से हरा दिया। मंगलवार को ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में तीन विकेट पर 199 रन बनाए। जवाब में मुंबई निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर सिर्फ 188 रन बना सकी।

इस हार के साथ हरमनप्रीत कौर की पलटन फाइनल के लिए सीधे क्वालिफाई करने से चूक गई। अब उन्हें गुजरात जाएंट्स के खिलाफ गुरुवार को एलिमिनेटर मुकाबला खेलना है। इस मैच में जीतने वाली टीम दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेलने उतरेगी। बता दें कि, मेग लैनिंग के नेतृत्व वाली टीम 10 अंक और +0.396 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर रही। दिल्ली ने आठ में से पांच मैच जीते। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत खराब हुई। 32 के स्कोर पर टीम ने दो विकेट गंवाए। स्नेह राणा ने हीली मैथ्यूज (19) और अमेलिया कर (9) को अपना शिकार बनाया। इसके बाद मोर्चा नेट सिवर ब्रंट ने संभाला। एक छोर पर खड़ीं ब्रंट टीम को धीरे-धीरे लक्ष्य की तरफ ले जा रही थीं लेकिन बाकी बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपना विकेट गंवा रहे थे। 32 वर्षीय ऑलराउंडर ने 35 गेंदों में 69 रन बनाए। हालांकि, वह टीम को जीत नहीं दिल सकीं। मुंबई के लिए कप्तान हरमनप्रीत ने 20, अमनोजत ने 17, यास्तिका भाटिया ने चार, सजीवन सजना ने 23, जी कमालिनी ने छह, संस्कृति ने 10 रन बनाए। वहीं, शबनम इस्माइल और परुनिका सिसोदिया क्रमश: चार और बिना खाता खोले नाबाद रहीं। आरसीबी के लिए स्नेह राणा ने तीन विकेट लिए जबकि किम गार्थ और एलिस पेरी को दो सफलताएं मिलीं।

आईसीसी ओडीआई रैंकिंग में दीप्ति शर्मा शीर्ष पांच में शामिल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को महिलाओं की ताजा वनडे रैंकिंग जारी कर दी। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को तगड़ा फायदा हुआ है। वह एक स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष पांच में शामिल हो गई हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड की अमेलिया कर को पीछे छोड़ दिया। 27 वर्षीय भारतीय ऑलराउंडर 344 अंकों के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गई हैं। हरफनमौला खिलाड़ियों की लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर शीर्ष पर मौजूद हैं। दीप्ति टी20 ऑलराउंडर की रैंकिंग में में तीसरे और वनडे में गेंदबाजों की रैंकिंग में चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

अब बिहार को युवा सीएम की जरूरत : पारस

» पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति ने नीतीश को बताया मानसिक -शारीरिक रूप से कमजोर

» 2025 विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे पशुपति पारस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोजपुर। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बिहार की राजनीति में बड़ा बयान देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े किए हैं। नीतीश कुमार अब मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो चुके हैं और बिहार को अब एक युवा नेतृत्व की जरूरत है।

भोजपुर जिले के बिहिया प्रखंड के भड़सरा गांव में स्वतंत्रता सेनानी बाबू चंद्रिका सिंह यादव की 30वीं पुण्यतिथि समारोह में शामिल होने पहुंचे पशुपति पारस ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि रालोजपा 243 विधानसभा सीटों पर दौरा कर रही है और एक इंटरनल सर्वे भी कराया जा रहा है, ताकि चुनावी रणनीति को बेहतर तरीके से तय किया जा सके।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिले नालंदा में एक महिला के पैरों में कीलें ठोंक दी गईं, लेकिन सरकार के किसी बड़े मंत्री या अधिकारी ने उसकी सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य में प्रशासनिक विफलता का बड़ा प्रमाण है।

'नीतीश सरकार निकम्मी, 20 साल में कोई काम नहीं किया'

पशुपति पारस ने नीतीश सरकार को विफल बताते हुए कहा कि पिछले 20 वर्षों में राज्य में एक भी कल-कारखाना नहीं लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बेरोजगारी चरम पर है, भ्रष्टाचार, लूट, बलात्कार और अपराध की घटनाएं आम हो गई हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अब प्रदेश की समस्याओं को संभालने की स्थिति में नहीं हैं।

'जनता बदलाव चाहती है, शाह कितना कैंप करेंगे?

बिहार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कैंप करने की योजना पर प्रतिक्रिया देते हुए पारस ने कटाक्ष किया- कितना कैंप करेंगे? उन्होंने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और यह बदलाव आने वाला है। पारस ने कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी चंद्रिका सिंह यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों को भूलना नहीं चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

लविवि के कार्यपरिषद गठन पर उठे सवाल

» लूटा के उपाध्यक्ष डॉ. अरशद जाफरी ने सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद गठन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लूटा के उपाध्यक्ष डा. अरशद जाफरी ने लविवि कार्यपरिषद के गठन में मनमानी को लेकर कुलाधिपति व मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। जाफरी ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के नियमों के खिलाफ इस कार्यपरिषद को बनाया गया है।

कुलपति ने अपने मनमाफिक सदस्यों को कार्यपरिषद में नियुक्त किया है। 1973 के अनुसार लविवि द्वारा कार्यपरिषद के सदस्य चुने जाते हैं। पर पहली बार चुनाव नहीं हो रहें है जिससे ऐसे लोग उसमें आ रहे हैं जो पिछले पांच साल से कार्यपरिषद में नहीं हैं। इससे पहले कार्य परिषद की बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसको लेकर भी मतभेद हैं।

अपने ही गिराते हैं नशेमन पे बिजलियां...

लखनऊ से लेकर हरियाणा तक बीजेपी में असंतोष

विधानसभा में बीजेपी मंत्री-विधायक के बीच तू-तड़ाक

» सभासदों का विद्रोह तो विधायक ने लगाये मंत्री पर भ्रष्टाचार के सदन में आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी की राजधानी लखनऊ के बाद अब हरियाणा से खबर आ रही है कि बीजेपी विधायक ने अपनी ही सरकार के मंत्री पर सदन में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाये हैं। यही नहीं विधायक और मंत्री के बीच तू-तड़ाक भी जमकर हुई हैं। दोनों ही घटनाएं मामूली नहीं है। दोनों ही जगह लड़ाई अपनों से अपनो की है। दोनों ही जगह आरोप भ्रष्टाचार के हैं।

हरियाणा विधानसभा में सत्ता पक्ष के मंत्री और विधायक के बीच तू-तड़ाक, मैं-मैं, बात जलेबी से निकलकर गोबर खाने तक पहुंच गई जिसका अंत आरोप साबित होने पर राजनीति तक छोड़ देने के ऐलान से हुआ। घटनाक्रम शर्मनाक था, लेकिन दिलचस्प भी। लोकतंत्र के मंदिर में पूरे देश ने देखा कि किस तरह मवालियों जैसी भाषा का इस्तेमाल बीजेपी के मंत्री और विधायक एक दूसरे के लिए कर रहे थे। पूरा मामला सोनीपत जिले के गोहाना से विधायक और कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा और भाजपा के ही जींद जिले की सफीदों विधानसभा सीट से विधायक रामकुमार गौतम के बीच का है । अरविंद राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने के लिए खड़े हुए थे। अरविंद कह रहे थे कि ये जलेबी हरियाणा से निकल कर महाराष्ट्र तक पहुंच चुकी है। अब बिहार में भी ये पहुंचने वाली है। स्पीकर हरविंद कल्याण इस पर कहने लगे कि गोहाना की जलेबी का बार-बार नाम लेकर मुंह में पानी ला दिया, लेकिन ये नहीं बताया कि खिलाओगे कब। इस बीच राम कुमार कहने लगे अब गोहाना की जलेबी शुद्ध नहीं रहीं। ये देशी घी में नहीं बनाई जाती, लेकिन उनके इस्तेमाल किए गए शब्द और कहने का अंदाज ऐसा था कि अरविंद को बुरा लग गया। इसके पीछे वजह शायद यह थी की उनका दावा उनकी ही पार्टी के विधायक ने तार-तार कर दिया था।

लखनऊ नगर निगम में भी खिचीं तलवारें

लखनऊ नगर निगम जहां लंबे समय से बीजेपी का वर्चस्व है और इस घटना से पहले कभी निगम सदन में इस प्रकार की घटना नहीं घटी। सभासदों का कार्यकारणी बैठक के बहिष्कार की खबर को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। यह बहिष्कार अंदर पनप रहे असंतोष को बाहर लाया है और यह घटना एक दिन में घटित नहीं हुई है। सभासदों ने लंबी प्लानिंग के बाद जिस एकजुटता का परिचय दिया वह गौर करने लायक है। बीजेपी आलाकमान ने भी इस घटना का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी है। जिन सभासदों ने विद्रोह किया वह सभी पार्टी लाइन पर लंब समय से राजनीति कर रहे हैं। सभासद एक कंपनी का विरोध कर रहे हैं जिस पर आरोप है कि सभी ठेके उस कंपनी को मिल रहे है और उच्चाधिकारी बजट का बंदरबाट कर रहे है।

मंत्री बोले- छोड़ दूंगा राजनीति

जवाब में अरविंद शर्मा ने कहा कि ये पता नहीं किस किस दुकान पर चले जाते हैं। वह यहीं नहीं रुके। वह कहने लगे कि ये तो शर्त लगाकर 10 किलो गोबर तक पी गए थे। रामकुमार गौतम की तरफ इशारा करते हुए यकीन से वह बोले कि इन्हीं से पूछ लो। जवाब में रामकुमार गौतम भी कहां रुकने वाले थे। अरविंद शर्मा पर उन्होंने बड़े गंभीर आरोप लगा दिए। स्पीकर ने जिन्हें बाद में कार्यवाही से निकाल दिया, लेकिन तब तक मामला बिगड़ चुका था। सत्तापक्ष के ही दो विधायकों में गर्मागर्मी से सरकार की किरकिरी हो चुकी थी। आरोप बेहद गंभीर किस्म के थे। विपक्ष ने भी मुद्दे को हाथों हाथ लपक लिया। कांग्रेस के विधायक खड़े होकर आरोपों पर जांच की मांग करने लगे। उधर, अरविंद शर्मा तिलमिलाए बैठे हुए थे। उनकी जग हंसाई हो चुकी थी। लिहाजा, भरपाई के लिए अरविंद शर्मा ने ऐलान किया कि यदि रामकुमार गौतम लेन-देन की एक भी बात सिद्ध कर दें तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा।

भाजपा का 2500 रुपये का वादा साबित हुआ जुमला : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि वे दिल्ली की महिलाओं से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहे हैं, जिसमें 2,500 रुपये की सहायता और मुफ्त एलपीजी सिलेंडर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली की जनता से कई वादे किए थे। 2500 रुपये का वादा जुमला साबित हुआ। दिल्ली की महिलाओं को होली के दौरान मुफ्त सिलेंडर मिलने थे। आतिशी ने आगे कहा कि होली में अब सिर्फ 2 दिन बचे हैं और दिल्ली की महिलाएं मुफ्त सिलेंडर का इंतजार कर रही हैं।

दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में महिलाएं खाली सिलेंडर लेकर भाजपा और उनके झूठे वादों के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने पार्टी घोषणापत्र में, भाजपा ने महिला समृद्धि योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता देने का वादा किया था।

» आप ने कसा दिल्ली सरकार पर तंज

पार्टी ने ऐसे परिवारों की महिलाओं को 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराकर कम आय वाले परिवारों की मदद करने का भी वादा किया। इसके अलावा, पार्टी ने होली और दिवाली के मौकों पर एक-एक मुफ्त सिलेंडर देने का भी वादा किया। 8 मार्च को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अपने सभी वादे पूरे करेगी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली की सीएम ने कहा कि वह महिलाओं के कल्याण और सुरक्षा के लिए काम करेंगी। आम आदमी पार्टी के विधायक गोपाल राय ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि वह चुनावी वादों को पूरा करने से बचने के लिए दोष-प्रत्यारोप में लगी हुई है।

नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं, मेरा अपमान किया : राबड़ी देवी

» विधान परिषद में टकराव के बाद सीएम पर भड़कीं पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी विधायकों ने विधानसभा सत्र से वॉकआउट करते हुए आरोप लगाया कि सीएम नीतीश कुमार और सत्तारूढ़ गठबंधन, एनडीए ने पूर्व सीएम राबड़ी देवी सहित बिहार की महिलाओं का अपमान किया है। आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने बाद में कहा कि नीतीश कुमार भंगेड़ी है, भांग पीकर विधानसभा आते हैं। वे महिलाओं का अपमान करते हैं, जिनमें मैं भी शामिल हूं। उन्हें देखना चाहिए कि जब हम सत्ता में थे, तब हमने किस तरह का काम किया था।

उनके आस-पास के लोग जो कहते हैं, वही वे बोलते हैं। उनकी अपनी पार्टी के सदस्य और भाजपा के कुछ नेता उनसे ऐसी बातें कहने के लिए कह रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार में लूट, हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इससे पहले राजद नेता राबड़ी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर पार्टी द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लिया, जिसमें उनके बेटे तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। राबड़ी देवी ने पूछा, ''नीतीश कुमार दावा करते हैं कि बिहार में जो भी अच्छा हुआ है, वह 2005 के बाद से हासिल हुआ है, जब वे सत्ता में आए थे। नीतीश पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने दावा किया कि वह यह कहने की हिम्मत रखते हैं कि बिहार में उनके सत्ता में आने से पहले लड़कियां और महिलाएं कपड़े नहीं पहनती थीं।

भाजपा विधायक के बयान पर भड़के तेजस्वी

बिहार के एक विधायक द्वारा मुसलमानों से होली पर घर से बाहर न निकलने की अपील पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पूछा है कि क्या राज्य विधायक के पिता का है और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चुनौती दी है कि वे विधायक को फटकारें और उनसे माफी मंगवाएं। मधुबनी जिले के बिस्फी से विधायक हरिभूषण ठाकुर बचोल ने अपनी टिप्पणी पर विस्तार से बताते हुए मीडिया से कहा कि टकराव से बचने के लिए मुसलमानों को होली पर घर पर ही रहना चाहिए। इस बार होली शुक्रवार को है और मुसलमान शुक्रवार को सामूहिक नमाज अदा करते हैं। तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने बयान दिया कि होली के मौके पर मुसलमानों को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। क्या यह पिता का राज्य है? वह कौन है? वो ऐसा बयान कैसे दे सकते हैं? जब महिलाएं अपने सम्मान के लिए आवाज उठाती हैं तो वो उन्हें डांटते हैं।

ट्रेन हाईजैक में भारत का हाथ : पाकिस्तान

» शहबाज सरकार का बड़ा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मंगलवार को बलूच विद्रोहियों ने एक ट्रेन को अगवा कर लिया, जिसमें 500 से ज्यादा यात्री सवार थे। इस आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने ट्रेन हाईजैक को लेकर भारत पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

इससे पहले बलूच विद्रोहियों ने सामान्य नागरिकों, महिलाओं और बच्चों को रिहा कर दिया गया, जबकि पाकिस्तानी सेना के जवानों, खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों को बंधक बना लिया गया है, समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है और ट्रेन को पटरी से उतारने का दावा किया है। बलूच विद्रोहियों ने 214 यात्रियों को बंधक बनाने का भी दावा किया है।

संसद में अवैध खनन पर घिरी मोदी सरकार

» तीन भाषा नीति को लेकर तनातनी जारी

» विपक्ष का हंगामा भाजपा बोली- विवाद करना उचित नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में जमकर हंगामा हो रहा है। विपक्ष ने सरकार को मतदाता पहचान पत्र में गड़बड़ी के आरोपों, अमेरिका की टैरिफ से जुड़ी धमकियों, परिसीमन और मणिपुर जैसे मुद्दों पर घेर रखा है। इसके जवाब में सरकार ने विपक्षी नेताओं के बयानों को मुद्दा बना लिया है।

लोकसभा में पवन ऊर्जा के एक प्रोजेक्ट को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट किया। दरअसल कांग्रेस सांसद ने पवन ऊर्जा के एक प्रोजेक्ट को लेकर सवाल किया, जिस पर केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया तो विपक्ष ने हंगामा कर दिया और सरकार पर अदाणी के प्रभाव में काम करने का आरोप लगाया। इसके बाद विपक्षी सांसद सदन से वॉकआउट कर गए।

लोस में उठा अवैध कोयला खनन का मुद्दा

लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान अवैध कोयला खनन का मामला उठा। सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्र में अवैध कोयला खनन को रोकने के लिए सरकार के प्रयासों पर सवाल किए, जिनका केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने जवाब दिए।

कोई भी व्यक्ति कई भाषाएं सीख सकता है : सुधा मूर्ति

राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने कहा, होली रंगों का त्योहार है, देश के सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं। संसद में एनईपी के तहत 3-भाषा नीति को लेकर हो रहे हंगामे पर उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कोई भी व्यक्ति कई भाषाएं सीख सकता है और मैं खुद 7-8 भाषाएं जानती हूं। मुझे हमेशा सीखने में मज़ा आता है और बच्चे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

नई शिक्षा नीति में भाषा को विवाद बनाना गलत : ओराम

केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने एनईपी के तहत 3-भाषा नीति पर संसद में हो रहे हंगामे पर कहा, कांग्रेस जब पहली बार सत्ता में आई थी, तब बहुत पहले ही हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार कर लिया गया था, लेकिन इसके बावजूद यह(एनईपी) कहा गया है कि आप अपनी मूल भाषा में भी काम कर सकते हैं लेकिन हिंदी को भी कुछ प्रमुखता दें, बस इतना ही कहा गया है। यह व्यक्तिगत रुचि का मामला है कि कौन किस भाषा में पढ़ेगा और काम करेगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।